THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

पाठ -1

साखी [कबीर]

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

प्रश्न 1. मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती है?

कबीरदास जी के अनुसार जब आप दूसरों के साथ मीठी भाषा का उपयोग करोगे तो उन्हें आपसे कोई शिकायत नहीं रहेगी। वे सुख का अनुभव करेंगे और जब आपका मन शुद्ध और साफ़ होगा परिणामस्वरूप आपका तन भी शीतल रहेगा।

प्रश्न 2.दीपक दिखाई देने पर अँधियारा कैसे मिट जाता है? साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

तीसरी साखी में कबीर का दीपक से तात्पर्य ईश्वर दर्शन से है तथा अँधियारा से तात्पर्य अज्ञान से है। ईश्वर को सर्वोच्च ज्ञान कहा गया है अर्थात जब किसी को सर्वोच्च ज्ञान के दर्शन हो जाये तो उसका सारा अज्ञान दूर होना सम्भव है।

प्रश्न 3.ईश्वर कण-कण में व्याप्त है, पर हम उसे क्यों नहीं देख पाते ?

कबीरदास जी दूसरी साखी में स्पष्ट करते हैं कि ईश्वर कण कण में व्याप्त है ,पर हम अपने अज्ञान के कारण उसे नहीं देख पाते क्योंकि हम ईश्वर को अपने मन में खोजने के बजाये मंदिरों और तीर्थों में खोजते हैं।

प्रश्न 4.संसार में सुखी व्यक्ति कौन है और दुखी कौन? यहाँ 'सोना' और 'जागना' किसके प्रतीक हैं? इसका प्रयोग यहाँ क्यों किया गया है? स्पष्ट कीजिए।

कबीरदास के अनुसार संसार के वे सभी व्यक्ति जो बिना किसी चिंता के जी रहे हैं वे सुखी हैं तथा जो ईश्वर वियोग में जी रहे हैं वे दुखी हैं। यहाँ 'सोना ' 'अज्ञान ' का और 'जागना ' ईश्वर - प्रेम ' का प्रतिक है। इसका प्रयोग यहाँ इसलिए हुआ है क्योंकि कुछ लोग अपने अज्ञान के कारण बिना चिंता के सो रहे हैं और कुछ लोग ईश्वर को पाने की आशा में सोते हुए भी जग रहे हैं ।

प्रश्न 5.अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है?

अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने निंदा करने वाले व्यक्तिओं को अपने आस पास रखने का उपाय सुझाया है। उनके अनुसार निंदा करने वाला व्यक्ति जब आपकी गलतियां निकालेगा तो आप उस गलती को सुधार कर अपना स्वभाव निर्मल बना सकते हैं।

प्रश्न 6.कबीर की उद्धृत साखियों की भाषा की विशेषता स्पष्ट कीजिए।

कबीर की साखिओं में अनेक भाषाओँ का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। उद्धृत साखिओं की भाषा की विशेषता यह है कि इसमें भावना की अनुभूति ,रहस्यवादिता तथा जीवन का संवेदनशील संस्पर्श तथा सहजता को प्रमुख स्थान दिया गया है।

प्रश्न 7.कबीर अपनी सखियों से क्या संदेश देना चाहते है ?

साखियों में कबीर ईश्वर प्रेम के महत्त्व को प्रस्तुत कर रहे हैं। पहली साखी में कबीर मीठी भाषा का प्रयोग करने की सलाह देते हैं ताकि दूसरों को सुख और और अपने तन को शीतलता प्राप्त हो। दूसरी साखी में कबीर ईश्वर को मंदिरों और तीर्थों में ढूंढ़ने के बजाये अपने मन में ढूंढ़ने की सलाह देते हैं। तीसरी साखी में कबीर ने अहंकार और ईश्वर को एक दूसरे से विपरीत (उल्टा) बताया है। चौथी साखी में कबीर कहते हैं कि प्रभु को पाने की आशा उनको संसार के लोगो से अलग करती है। पांचवी साखी में कबीर कहते हैं कि ईश्वर के वियोग में कोई व्यक्ति जीवित नहीं रह सकता, अगर रहता भी है तो उसकी स्थिति पागलों जैसी हो जाती है। छठी साखी में कबीर निंदा करने वालों को हमारे स्वभाव परिवर्तन में मुख्य मानते हैं। सातवीं साखी में कबीर ईश्वर प्रेम के अक्षर को पढने वाले व्यक्ति को पंडित बताते हैं और अंतिम साखी में कबीर कहते हैं कि यदि ज्ञान प्राप्त करना है तो मोह - माया का त्याग करना पड़ेगा।

Q.N No	Question
1.	दीपक दिखाई देने से अँधेरा कैसे मिट जाता है ? (a) कोई भी नहीं (b) बादल दूर होते हैं (c) अहंकार रुपी माया दूर होती है जब ज्ञान रुपी दीपक दिखाई देता है (d) माया दूर होती है जब ज्ञान रुपी दीपक दिखाई देता है

2.	कबीर के अनुसार कौन ज्ञानी नहीं बन पाया ? (a) मोती पुस्तके पढ़ने वाला (b) मोटी पुस्तके पढ़ने वाला (c) दूसरों को ज्ञान देने वाला (d) अज्ञानी
3.	बिरह भुवंगम तन बसै मंत्र न लागे कोय। का भाव स्पष्ट कीजिये। (a) जब शरीर में किसी से बिछड़ने का दुःख हो तो कोई दवा या मंत्र काम नहीं करता (b) मन्त्र जपने से सेहत अच्छी होती है (c) जब दुःख हो तो मंत्र काम करते हैं (d) कोई नहीं
4	कबीर के अनुसार सुखी कौन है ? (a) सांसारिक लोग जो सोते और खाते हैं (b) आध्यात्मिक लोग (c) लालची लोग (d) सांसारिक लोग जो खाते हैं
5	अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या सुझाव दिया है ? (a) निंदक को नमस्ते करने को कहा है (b) निंदक से दूर रहने को कहा है (c) निंदक पास रखने को कहा है (d) निंदा पास रखने को कहा है